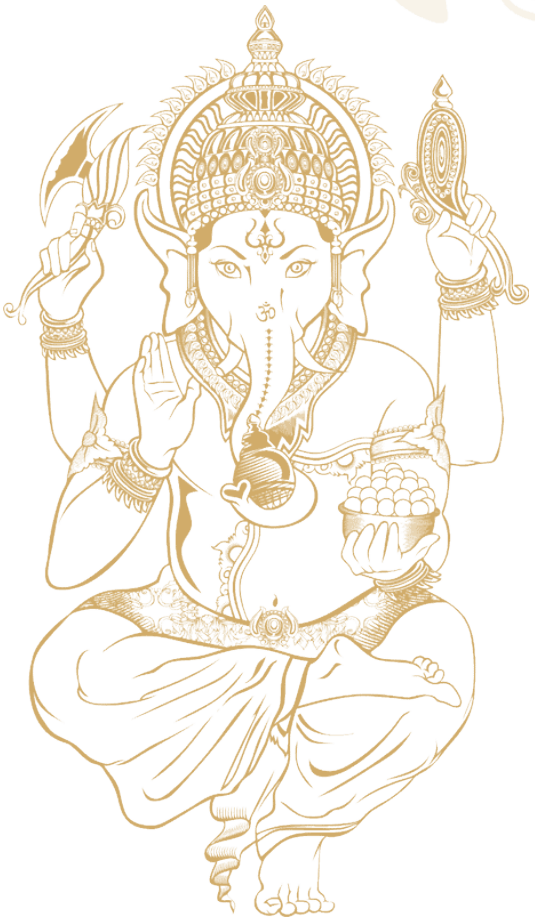

?????? ???

27 Aug 2013

01:55 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121466802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**26-27/08/2013**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:55:00 घंटे**
इष्ट	49:49:33 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:28:28 घंटे
वेलान्तर	-00:01:49 घंटे
साम्पातिक काल	23:49:26 घंटे
सूर्योदय	05:59:10 घंटे
सूर्यास्त	18:56:52 घंटे
दिनमान	12:57:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	09:42:03 सिंह
लग्न के अंश	17:03:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:03:28	315:35:53	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	09:42:03	00:57:55	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	22:20:10	12:23:02	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल			कर्क	05:09:22	00:38:30	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध		अ	सिंह	11:39:58	01:56:26	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
गुरु			मिथु	19:02:07	00:10:52	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	17:58:51	01:10:28	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			तुला	12:41:56	00:04:27	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	उच्च राशि
राहु			तुला	16:02:37	00:00:28	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			मेष	16:02:37	00:00:28	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	17:51:23	00:01:44	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	---
नेप	व		कुंभ	09:55:11	00:01:39	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	15:05:22	00:00:43	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	03:04:22	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:04

लग्न-चलित

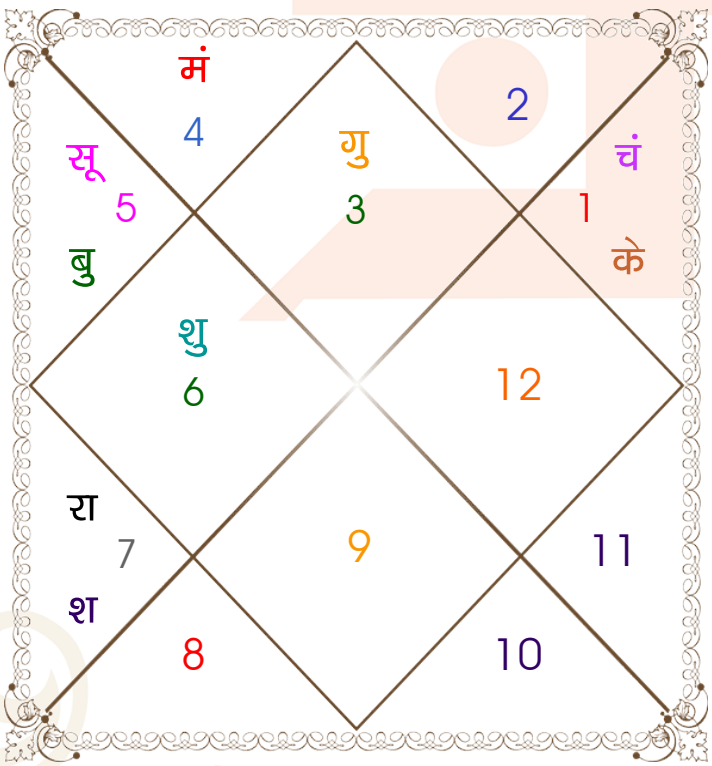

चन्द्र कुंडली

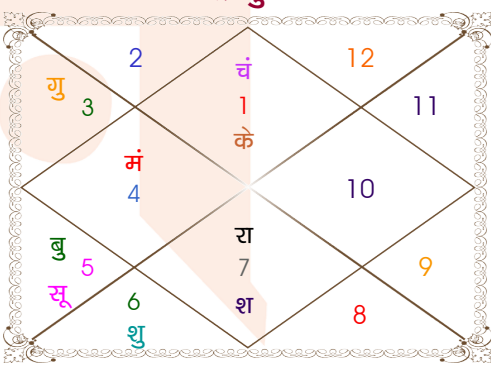

नवमांश कुंडली

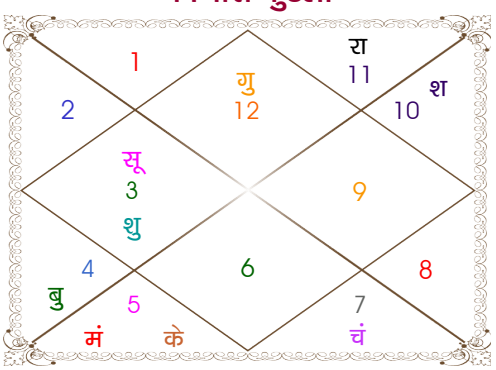

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 5 मास 28 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
27/08/2013		24/02/2020		24/02/2026		24/02/2036		24/02/2043	
24/02/2020		24/02/2026		24/02/2036		24/02/2043		23/02/2061	
	00/00/0000	सूर्य	13/06/2020	चंद्र	25/12/2026	मंगल	22/07/2036	राहु	06/11/2045
	00/00/0000	चंद्र	12/12/2020	मंगल	26/07/2027	राहु	10/08/2037	गुरु	01/04/2048
	00/00/0000	मंगल	19/04/2021	राहु	24/01/2029	गुरु	17/07/2038	शनि	06/02/2051
	00/00/0000	राहु	14/03/2022	गुरु	26/05/2030	शनि	26/08/2039	बुध	25/08/2053
	00/00/0000	गुरु	31/12/2022	शनि	25/12/2031	बुध	22/08/2040	केतु	13/09/2054
	27/08/2013	शनि	13/12/2023	बुध	26/05/2033	केतु	18/01/2041	शुक्र	12/09/2057
शनि	24/02/2016	बुध	19/10/2024	केतु	25/12/2033	शुक्र	20/03/2042	सूर्य	07/08/2058
बुध	25/12/2018	केतु	23/02/2025	शुक्र	26/08/2035	सूर्य	26/07/2042	चंद्र	06/02/2060
केतु	24/02/2020	शुक्र	24/02/2026	सूर्य	24/02/2036	चंद्र	24/02/2043	मंगल	23/02/2061

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/02/2061		23/02/2077		24/02/2096		24/02/2113		25/02/2120	
23/02/2077		24/02/2096		24/02/2113		25/02/2120		00/00/0000	
गुरु	14/04/2063	शनि	27/02/2080	बुध	23/07/2098	केतु	24/07/2113	शुक्र	27/06/2123
शनि	25/10/2065	बुध	06/11/2082	केतु	20/07/2099	शुक्र	23/09/2114	सूर्य	26/06/2124
बुध	31/01/2068	केतु	16/12/2083	शुक्र	21/05/2102	सूर्य	29/01/2115	चंद्र	25/02/2126
केतु	06/01/2069	शुक्र	15/02/2087	सूर्य	27/03/2103	चंद्र	30/08/2115	मंगल	27/04/2127
शुक्र	07/09/2071	सूर्य	28/01/2088	चंद्र	26/08/2104	मंगल	26/01/2116	राहु	27/04/2130
सूर्य	25/06/2072	चंद्र	28/08/2089	मंगल	23/08/2105	राहु	12/02/2117	गुरु	26/12/2132
चंद्र	25/10/2073	मंगल	07/10/2090	राहु	11/03/2108	गुरु	19/01/2118	शनि	28/08/2133
मंगल	01/10/2074	राहु	13/08/2093	गुरु	17/06/2110	शनि	28/02/2119		00/00/0000
राहु	23/02/2077	गुरु	24/02/2096	शनि	24/02/2113	बुध	25/02/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 6 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।